RAF SECTOR
NEWS CLIP
01/10/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Rajasthan Patrika (Ahmedabad, Guj.)

अहमदाबाद में आरएएफ का 27वां स्थापना दिवस

370 हटा कर पीएम ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि : शाह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए के प्रावधान हटाकर प्रधानमंत्री मोदी ने देश के करीब 35000 जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। वे अहमदाबाद के वस्त्राल में सोमवार को द्रुत कार्य बल (रैपिड एक्शन फोर्स-आरएएफ) के 27वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

जवानों का बलिदान लंबे समय से यह मांग कर रहा था, लेकिन पिछले 70 वर्षों में इस तरफ न तो ध्यान दिया गया और न ही साफ नीयत से काम किया गया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के इस कदम से कश्मीर में नए युग की शुरुआत होगी। साथ भी यह भी कहा कि किसी की भी नीयत कश्मीर को अशांत करने की होगी, सुरक्षा बल उसका माकूल जवाब देंगे।

पढ़े 370 @ पेज 13

आरएएफ के 27वें स्थापना दिवस पर शहीद की पत्नी को पदक प्रदान करने के बाद नमन करते केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

सरदार जयंती पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के लोगो और चिन्ह का लोकार्पण करेंगे प्रधानमंत्री

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 348 00 जवानों की अमर गाथा का इतिहास देश की जनता के समक्ष रखने के लिए दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक का गठन किया है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के लोगो और चिन्ह का लोकार्पण करेंगे।

Gujarat Vaibhav (Ahmedabad, Guj.)

अनुच्छेद 370 को हटाकर मोदी ने 35,000 शहीदों को दी सच्ची श्रद्धांजलि: शाह

जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति लेकर आएंगे और इसे विकास की ओर आगे बढ़ने में सक्षम बनाएंगे

आरएएफ के 27वें स्थापना दिवस पर परेड का निरीक्षण कर सीआरपीएफ के जवानों को वीरता पदक दिए

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाया जाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन करीब 35,000 जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने राज्य में आतंकवाद से लड़ते हुए अपना जीवन गंवा दिया। शाह ने त्वरित कार्य बल (आरएएफ) के 27वें स्थापना दिवस पर परेड का निरीक्षण करने के बाद यहां कहा कि सरकार द्वारा उठाए कदम जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति लेकर आएंगे और इसे विकास की ओर आगे बढ़ने में सक्षम बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने (जम्मू-कश्मीर में) अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त कर 35,000 शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। शाह ने कहा कि स्थिति यह थी कि कई वर्षों से जम्मू-कश्मीर में हमारे जवान जान दे रहे थे। यह हालात 70 साल से थे, लेकिन इस स्थिति में सुधार करने का किसी के पास साहस नहीं था या किसी ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने के फैसले के लिए "सीआरपीएस के मंच" से

मोदी को धन्यवाद दिया। सीआरपीएफ के जवान कश्मीर में तैनात हैं। शाह ने कहा कि मैं कश्मीर और भारत के लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर विकास के मार्ग पर अग्रसर होगा। हमारे बल कश्मीर में शांति बाधित करने की कोशिश करने वालों पर नजर रखेंगे। यह कदम स्थायी शांति लेकर आएगा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल इस वर्ष अपनी दंगा रोधी इकाई आरएएफ की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर अहमदाबाद में आरएएफ की 100वीं बटालियन में वर्षगांठ परेड हुई, जिसमें शाह मुख्य अतिथि थे। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों और विभिन्न राज्यों में नक्सल विरोधी अभियानों में बहादुरी का परिचय देने वाले सीआरपीएफ जवानों को 20 वीरता पदक दिए। इनमें से कुछ जवानों को मरणोपरान्त पदक दिए गए। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने का पांच अगस्त को फैसला किया था, जिसके बाद शाह पहली बार आरएएफ के कार्यक्रम में शामिल हुए।

Rajasthan Patrika (Ahmedabad, Guj.)

चौकस निगाहें, हैण्डलर के एक इशारे पर दबोचा 'दुश्मन' को

श्वानों ने दिखाए करतब

अहमदाबाद. चाहे कितनी भी अड़चन हो, लेकिन हैण्डलर के एक इशारे पर चौकस निगाहों वाले श्वान ने 'दुश्मन' को धूल चटा दी तो जलती आग में छलांग लगाना और बच्चे के अपहरण की साजिश को कुछ समय ही नाकाम कर दिया। शहर के वस्त्राल में द्रुत कार्य बल (आरएएफ) के 27वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर कुछ ऐसे ही करतब दिखाए केन्द्रीय आरक्षी सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) के श्वान दस्ते ने। वहीं समारोह स्थल पर मौजूद लोगों ने भी तालियां बजाकर श्वान के करतब की हौसला आफजाई की।

श्वान के करतब दिखाने की शुरुआत सीढ़ियों, पहिए में जलती आग जैसे कई बाधाओं से हुई। जैसे ही सीआरपीएफ जवान (हैण्डलर) ने इशारा किया वैसे ही श्वान ने हर बाधाओं को पार कर कुशलता का परिचय दिया। वहीं उपद्रवी या आतंकी से निपटने में भी श्वान ने अपने करतब दिखाए। उपद्रवी के वेश में एक जवान था, जिसे पकड़ने के लिए श्वान लम्बी छलांग भरते हुए उसके पास पहुंच गया और अपने मजबूत जबड़े में

उसे दबोच लिया। उपद्रवी ने खुद को छुड़ाने की काफी मशक्कत की, लेकिन श्वान ने उसे उस समय तक नहीं छोड़ा जब तक हैण्डलर ने छोड़ने का इशारा नहीं किया। ऐसा ही एक करतब दिखाया गया जब स्कूल जाते एक बच्चे का उपद्रवी ने अपहरण करने का प्रयास किया। बच्चे को लेकर उपद्रवी बस में सवार हो गया, लेकिन जैसे ही हैण्डलर का इशारा श्वान को मिला। उसने कुशलता के साथ खिड़की से बस में छलांग लगा दी और अपहरण करनेवाले को दबोच लिया और बच्चे को छुड़ा लिया।

सच्ची सहेली

Rajasthan Patrika (Ahmedabad, Guj.)

सीआरपीएफ के जांबाजों का सम्मान

अहमदाबाद. सीआरपीएफ के करीब 20 जांबाजों का सोमवार को रेपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की 27वीं वर्षगांठ पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सम्मानित किया। इनमें वीर शहीद जवानों के परिजन भी शामिल थे।

26 अगस्त, 2017 को शाम तीन आतंकी जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिला पुलिस लाइन के आवासीय परिसर में घुस गए थे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कमांडेन्ट नरेन्द्रपाल सिंह ने अपनी टीम के साथ योजनाबद्ध तरीके से तीनों आतंकियों को घटनास्थल पर ही ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन में सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद हो गए। कर्तव्य का निर्वहन करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान, अद्वितीय शौर्य, असाधारण वीरता के लिए शहीद यासिन ताली, दिनेश दीपक बोरसे और जसवंत सिंह को राष्ट्रपति ने वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (मरणोपरांत) से अलंकृत किया है। इस अभियान में टीम के अन्य सदस्य कमांडेन्ट नरेन्द्रपालसिंह, उप निरीक्षक विजयबहादुरसिंह, हवलदार राकेश पटेल, सिपाही फामे कुमार, नरेश कमार, जॉन वर्मन और अनिल दोहरे को वीरता के पुलिस पदक से सम्मानित किया। 17 सितम्बर, 2014 को झारखंड- पश्चिम बंगाल सीमा पर माकुली के जंगल में 40 माओवादियों की गतिविधियों से ऑपरेशन 'घेरा' चलाया गया। सैन्यदल आगे बढ़ रहा था तो पहाड़ी की चोटी से माओवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। उप कमाण्डेन्ट आलोक कुमार अग्रवाल, सिपाही विकास सूत्रधर ने अपनी जान की परवाह किए बगैर माओवादियों के नजदीक पहुंच गए। माओवादियों ने अपने-अपने को मुठभेड़ में सिपाही विकास सूत्रधर गंभीर रूप से घायल और कुछ ही शहीद हो गए। शहीद विकास सूत्रधर और आलोक कुमार अग्रवाल को उनकी अदम्य साहस, वीरता और उच्च कोटि की कर्तव्य निष्ठा का प्रदर्शन करने के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया।

Rajasthan Patrika (Ahmedabad, Guj.)

द्रुत कार्य बल (आरएएफ) के स्थापना दिवस पर अहमदाबाद के वसाल स्थित 100 बटालियन आरएएफ में आयोजित समारोह में परेड का निरीक्षण करते केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह। 100 बटालियन आरएएफ के कमाण्डेन्ट पुष्पेन्द्र कुमार श्रेष्ठ शूटिंग बटालियन की ट्रॉफी ग्रहण करते हुए। मार्च पास्ट करती महिला जवान। करतब दिखाते जवान।

Gujarat Samachar (Ahmedabad, Guj.)

મંગળવાર, તા.૧ ઓક્ટોબર, ૨૦૧૯

દેશની સુરક્ષા ને શાંતિ જાળવવામાં રેપિડ એક્શન ફોર્સનો ફાળો અત્યંત મહત્ત્વપૂર્ણ : અમિત શાહ

(પ્રતિનિધિ તરફથી) અમદાવાદ,સામવાર

દેશમાં શાંતિ જાળવવામાં અને સુરક્ષા જાળવી રાખવામાં રેપિડ એક્શન ફોર્સની ભૂમિકા અત્યંત મહત્વની છે. આ સાથે જ તેમણ સેન્ટ્રલ રિઝર્વ પોલીસ ફોર્સની કામગીરીની પણ પ્રશંસા કરી હતી. દેશને માટે બલિદાન આપનારા શહીદોને બિરદાવવા માટે કેન્દ્રના ગૃહમંત્રી અમિત શાહે તેમના પરિવારજનોને પદક એનાયત કર્યા હતા. દેશને માટે વીરતા પૂર્ણ કામ કરનારા શહીદોના પરિવારના સભ્યોને વીરતા પદક એનાયત કર્યા હતા.

હંમેશા ખડે પગે દેશની સેવા માટે ઊભા રહેતા રેપિડ એક્શન ફોર્સે ચુસ્ત શિસ્તનું પાલન કરીને પ્રજાનો વિશ્વાસ જીત્યો છે

(તસ્વીર : ગૌતમ મહેતા)

અમિત શાહે કહ્યું હતું કે દેશમાં શાંતિ જળવાઈ રહે તે માટે રેપિડ એક્શન ફોર્સના જવાનો હંમેશા ખડેપગે રહે છે. સંસદ પણ આતંકવાદી હુમલો થયો હતો ત્યારે આતંકવાદીઓને જડબેસલાક જવાબ આપવાની કામગીરી આર.એ.એફ.ના જવાનોએ કરી હતી. કાશ્મીર, લદાખ, જેવી અનેક જગ્યાઓ પર સીઆરપીએફના જવાનો ખડેપગે સેવા આપી રહ્યા છે. સીઆરપીએફ અને આરએએફનો આભાર માનતા જણાવ્યું હતું કે બંને પ્રજાનો વિશ્વાસ જીતવામાં સફળ થયા છે.

આ પ્રસંગે બોલતા સીઆરપીએફના મહાનિર્દેશક રાજીવ ભટનાગરે જણાવ્યું હતું કે સીઆરપીએફ અને આર.એ.એફ. ને શૌર્ય દાખવવા બદલ અનેક પદકો મળ્યા છે. દેશની આંતરિક સુરક્ષાથી માંડીને રાષ્ટ્ર પ્રત્યેની ભાવનાના અનુસંધાનમાં સીઆરપીએફ અને આરએએફએ હંમેશા સારી કામગીરી કરી બતાવી છે. મુશ્કેલીના સમયમાં બંને દળો હંમેશા ખડેપગે જ રહ્યા છે.

એક અન્ય અહેવાલ મુજબ અમિત શાહે આજે સવારે સાબરમતિના વિધાનસભ્ય અરવિન્દ પટેલના જનસંપર્ક કાર્યાલયનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. આજે બપોર પછી માણસાની પરિસરમાં આવેલા તેમના કુળદેવીના દર્શનાર્થે ગયા હોવાનું જાણવા મળી રહ્યું છે.

Photos of RAF Anniversary

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।